

गुरु दयालू होते हैं बड़े भोले होते हैं भजन



गुरु दयालू होते हैं,
बड़े भोले होते हैं,
मिली गुरु की शरण वो,
किस्मत वाले होते हैं।

तर्ज – प्यार दिवाना होता है।

किसी दास को जब कोई,
सताता है ग़म,
नहीं देख सकते गुरुवर,
उनकी आँखें नम,
वो दयालू भक्तों के ग़म,
खुद ही सहते हैं,
मिली गुरु की शरण वो,
किस्मत वाले होते हैं।

भक्तों के कारण गुरु ने,
लिया अवतार,
हरते जीवों के दुखड़े,
और भव से करते पार,
करते खास कृपा जब,
सतगुरु मौज में होते हैं,
मिली गुरु की शरण वो,
किस्मत वाले होते हैं।

श्री सतगुरु की जग में,
महिमा अपार,
साँचा नाम है गुरु का,
साँचा दरवार,
सच्चा सँत जहाँ में कोई,
बिरले होते हैं,
मिली गुरु की शरण वो,
किस्मत वाले होते हैं।



बड़े भोले होते हैं,
मिली गुरु की शरण वो,
किस्मत वाले होते हैं। bdi

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।
